बोधराज सीकरी की मुहीम ने किया 2,51,000 का आंकड़ा पार

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

हनुमानजी के भजनों पर झूमे लोग

हनुमानजी के भजनों पर झूमते श्रद्धालु ● सौजन्य : आयोजक

वि. गुरुग्राम: दुनिया चले न श्रीराम के बिना, रामजी चले न हनुमान के बिना... भजन पर श्रद्धालु झूम उठे। मौका था सेक्टर-46 स्थित शिव मंदिर में शनिवार शाम हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन का। व्यासपीठ से गजेंद्र गोसाईं ने लोगों को हनुमान चालीसा पाठ कराया। बीच-बीच में भजन प्रस्तुत कर उन्होंने श्रद्धालुओं को झूमने को मजबूर कर दिया।

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने शनिवार शाम 251000 का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा को जीवन में धारण करने की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद यादव ने भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत संघचालक प्रताप सिंह, गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन के संरक्षक दिनेश नागपाल, अध्यक्ष नरेंद्र यादव, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के धर्मेंद्र बजाज व रमेश कामरा आदि रहे।

छोटीबड़ीबात

दैनिक भास्कर

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। शनिवार को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया। तदोपरांत नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें। श्री सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से नई व्याख्या की।

PIC•COLLAGE

पंजाब केसरी
ई-पेपर

EDITIC
Gurga
Kesa

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुशासन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज

गुड़गांव, 30 जुलाई (ब्यूरो): शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर की ओर से बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। पूजा यादव व प्रियांक की माता और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा रहा। इस कार्यक्रम में प्रताप जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग

संबोधित करते बोधराज सीकरी।

सवा घंटे में उसका समापन किया। अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का स्वागत करते हुए उनके गुणों का व्याख्यान भी किया।

इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए।

Regional Supplement
हरियाणा केसरी
PunjabKesari.com
PunjabKesari.com
गुरुग्राम केसरी
Punjab Kesari, Delhi 31 जुलाई 2023, सोमवार

धार्मिक ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : सीकरी

गुरुग्राम,(पंजाब केसरी) : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा करीब 5 माह पूर्व शुरु की गई हनुमान चालीसा मुहिम के तहत शनिवार को सैक्टर 46 स्थित श्री शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद यादव द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमोद यादव की धर्मपत्नी पूजा यादव व भाई जयंत का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन में आरएसएस के हरियाणा प्रांत सह महासंघचालक प्रताप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का वर्णन किया, जिस पर श्रद्धालु झूमने लगे। गुरुग्राम होम डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अचंभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज

कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहां जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे।

www.gurgaontoday.in
गुड़गांव टुडे

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था।

इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए। कार्यक्रम में प्रताप, नरेंद्र यादव, दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 30 जुलाई। शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संपचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भाँति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किए और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार में आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई।

कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज को मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।

कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है

सुमति कुमति सब के उर रहहीं।
नाथ पुरान निगम अस कहहीं॥
जहाँ सुमति तहँ संपति नाना। जहाँ कुमति तहँ बिपति निदाना॥

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया। ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।

कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर चौपाई आती है

सुमति कुमति सबके उर रहियर
नाथ पुराण निगम अति कहनी।
शिवपति नाना
निदाना

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पाँच महीने पूर्व शुरू की गई सीकरी जी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम बट्ट वृक्ष का रूप धारण कर रही है।

ज्योति दर्पण

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार मे आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो

कहते है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है

सुमति कुमति सब के उर रहहीं। नाथ पुरान निगम अस कहहीं॥
जहाँ सुमति तहँ संपति नाना। जहाँ कुमति तहँ बिपति निदाना॥

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है।उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया
हम बनेंगे आपकी आवाज

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरूग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भाँति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका सम्पादन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार मे आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक रत्न की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके

परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनको मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो ।

कहते है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है

सुमति कुमति सब के उर रहहीं।
नाथ पुरान निगम अस कहहीं॥
जहाँ सुमति तहँ संपति नाना।
जहाँ कुमति तहँ बिपति निदाना॥

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया। ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक रत्न की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो ।

कहते है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर चौपाई आती है

सुमति कुमति सब के उर रहियर
नाथ पुरान निगम अति कहनी।
शिवपति नाना
निदाना

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम हाउसिंग डेवेलोपमेंट एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

पाँच महीने पूर्व शुरू की गई सीकरी जी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम बट्ट वृक्ष का रूप धारण कर रही है ।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

TITLE CODE :- HARHIN11545

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई अर्पण ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संपर्क प्रमुख हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें।

श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार मे आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनको मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।

कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है

सुमति कुमति सब के उर रहहीं।
नाथ पुरान निगम अस कहहीं
जहाँ सुमति तहँ संपति नाना।
जहाँ कुमति तहँ बिपति निदाना

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर जहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया। ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है।

हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो ।

कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर चौपाई आती है

सुमति कुमति सबके उर रहहीं।
नाथ पुराण निगम अस कहहीं।
संपति नाना
निदाना

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर जहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीतिरिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम हाउसिंग डवेलपमेंट एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री द्वारका नाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पांच महीने पूर्व शुरू की गई सीकरी जी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम वटवृक्ष का रूप धारण कर रही है।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

सोमवार | गुरुग्राम | दिनॉक : 31/7/23

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार मे आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो ।

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति–रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है ।उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी–भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21–21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पाँच महीने पूर्व शुरू की गई सीकरी जी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम बट्ट वृक्ष का रूप धारण कर रही है।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अपने ग्रंथों, वेदों, परंपराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी: बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था।

हनुमान चालीसा पाठ में बोधराज सीकरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए। कार्यक्रम में दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

सच कहूँ मेंच नहीं 01 Jun 2023 - Page 1

4 एक ऐसा अखबार जिसे पढ़ सकता है एक साथ पूरा परिवार 7

कल, आज और कल वीरवार, 1 जून 2023

सच कहूँ

Sirsa Regd HARI

● ज्येष्ठ शुक्ल 12 - विक्रम संवत् 2080

अपने ग्रंथों, वेदों व परम्पराओं से जीवन में अनुसासन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम(सच कहूँ न्यूज)।

हनुमान चालीसा पाठ में बोधराज सीकरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था।

इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

8:18 AM

वर्ष : 15 अंक : 47 | भिवानी सोमवार 31 जुलाई 2023 | मूल्य : 3.00 रूपये | कुल पृष्ठ : 8

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए। कार्यक्रम में दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

8:18 AM

देव केसरी
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

देव केसरी/अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह मंत्र संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने

हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार मे आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा। इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 62787/2014

रण टाइम्स

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

❖ अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया।श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह मह्य संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाई जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वें मार्गदर्शन दें।

श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरांत वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार मे आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।

कहते है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है

सुमति कुमति सब कें उर रहहीं।
नाथ पुरान निगम अस कहहीं॥
जहाँ सुमति तहँ संपति नाना।
जहाँ कुमति तहँ बिपति निदाना॥

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ , हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है।उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शख्सियत श्री पी.के दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया। ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्त को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है।

3 म्हारा हरियाणा
6 विचार क्रान्ति
8 हरियाणा
10 फीचर
12 हरियाणा

राष्ट्रीय दैनिक
जगत क्रान्ति

जीन्द
सोमवार, 31 जुलाई, 2023

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक | E-paper : http://jagatkranti.co.in | E-mail: jagatkrantijind@gmail.com | जीन्द (हरियाणा) से प्रकाशित

धार्मिक ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : सीकरी

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा करीब 5 माह पूर्व शुरु की गई हनुमान चालीसा मुहिम के तहत शनिवार को सैक्टर 46 स्थित श्री शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद यादव द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

इस दौरान प्रमोद यादव की धर्मपत्नी पूजा यादव व भाई जयंत का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन में आरएसएस के हरियाणा प्रांत सह महासंघचालक प्रताप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का वर्णन किया, जिस पर श्रद्धालु झूमने लगे। गुरुग्राम होम डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अचंभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहां जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 2 लाख 44 हजार 545 था जो शनिवार के पाठ को मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया।

बुलंद खोज
सम्पादक-संजय सार्थक
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

धार्मिक ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी-बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा करीब 5 माह पूर्व शुरु की गई हनुमान चालीसा मुहिम के तहत शनिवार को सैक्टर 46 स्थित श्री शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद यादव द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमोद यादव की धर्मपत्नी पूजा यादव व भाई जयंत का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन में आरएसएस के हरियाणा प्रांत सह महासंघचालक प्रताप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का वर्णन किया, जिस पर श्रद्धालु झूमने लगे। गुरुग्राम होम डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की।

कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालु हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अचंभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि अपनी मर्यादाएं, परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, ग्रंथ, पुराण, वेद आदि को नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 2 लाख 44 हजार 545 था जो शनिवार के पाठ को मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिनेश नागपाल, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार, सतपाल नासा, पवन जाखड़ आदि मौजूद रहे।

DBM
दैनिक भरोसा मित्र
ना इधर की , ना उधर की - बात सिर्फ भरोसे की

का भी सुना और माफ पर हो ज्यादती का है। आज तक सरकार कार्य के लिए लोगों का निगम के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर मौजूद रहे। की महिमा का गुणगान किया

धार्मिक ग्रथों, वेदों, परंपराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

क भरोसा/ एमके अरोड़ा
रो चीफ

ग्राम। पंजाबी बिरादरी संगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी करीब 5 माह पूर्व शुरू की हनुमान चालीसा मुहिम के शनिवार को सैक्टर 46 स्थित शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद व द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान लीसा पाठ का आयोजन किया । इस दौरान प्रमोद यादव की पत्नी पूजा यादव व भाई जयंत प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन आरएसएस के हरियाणा प्रांत महासंघचालक प्रताप सहित ी संख्या में श्रद्धालु शामिल । गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय ी में हनुमान चालीसा का नि किया, जिस पर श्रद्धालु ने लगे। गुरुग्राम होम डवलपर्स सिएशन के अध्यक्ष नरेंद यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अचंभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहां जो रथ के पीछे

कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालु हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए।

थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे।

भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है।

हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।

उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि अपनी मर्यादाएं, परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, ग्रंथ, पुराण, वेद आदि को नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है।

उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 2 लाख 44 हजार 545 था जो शनिवार के पाठ को मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिनेश नागप धर्मेंद्र बजाज, रमेश का ओपी कालरा, केदारनाथ म ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, यादव, राजकुमार यादव, ज्योत बजाज, पुष्पा नासा, रचना बज पीके दत्ता, राजकुमार, सत नासा, पवन जाखड़ आदि मौ रहे।

गौरतलब है कि पंजाबी बिरा महासंगठन के अध्यक्ष व सीएस ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सी द्वारा अब तक शहर के वि स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ किए जाने से बच्चे, यु युवाओं में काफी उत्साह है। ल द्वारा न केवल हनुमान चालीसा पाठ को ध्यान से बोला जाता बल्कि सुना भी जाता है। वि कालोनियों के लोगों ने बताया अब हमें यह इंतजार रहता है अगली बार हमें संगीतमय हनु चालीसा कहां पर पढ़ने व सु को मिलेगी।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 2, 51, 000 का आंकड़ा पार

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुशासन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

[illegible]